347VEG

पाठ 7

एकता का बल

पीपल	कबूतर	भोजन	धरती	चिल्लाना	बहेलिया	
क्षमा	इशारा	मित्र	उन्हें	मदद	बूढ़ा	धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।''

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?''

दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।''

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, ''बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।''

तभी एक कबूतर चिल्लाया, ''उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहेलिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।''

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

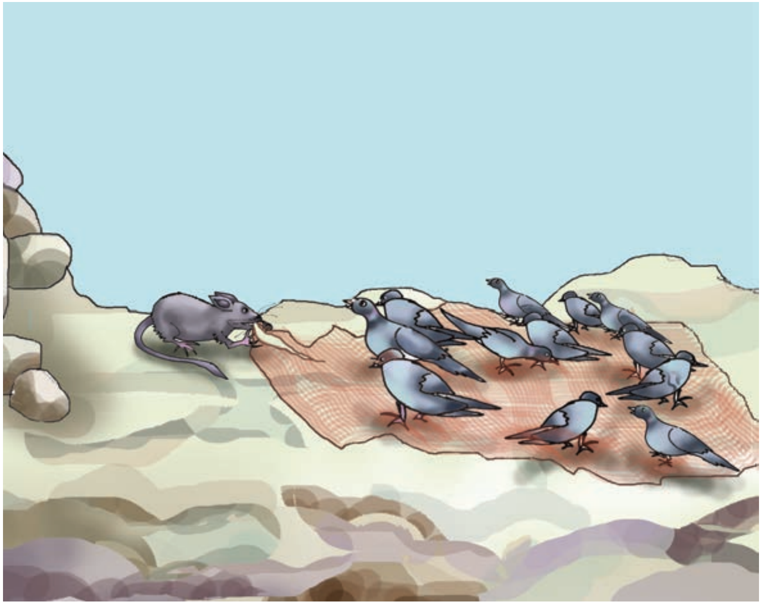

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।''

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. कबूतर कहाँ रहते थे ?

ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?

ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?

घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?

ङ बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?

च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

भोजन के लिए – ....

स्वास्थ्य के लिए – ....

शिक्षा के लिए – ....

कपड़ों के लिए – ....

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

क. बहुत–सा दाना ––––––––– पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ––––––––– कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ––––––––– में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ––––––––– करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से –––––––– माँगी। (क्षमा, सहायता)

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्णों से बने एक–एक शब्द खोजकर लिखो।

_________ _________ _________ _________

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

क.	कबूतर	–	जाल काट दिया।
ख.	चूहे ने	–	आगे–आगे उड़ रहा था।
ग.	कबूतरों ने	–	पीपल के पेड़ पर रहते थे।
घ.	बूढ़ा कबूतर	–	चूहे को धन्यवाद दिया।

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	_______	–	_______
गधा	–	_______	–	_______
घोड़ा	–	_______	–	_______

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –

कबूतर पेड़ पर रहता है ।

कबूतर .... चुगता है ।

....

....

....

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।

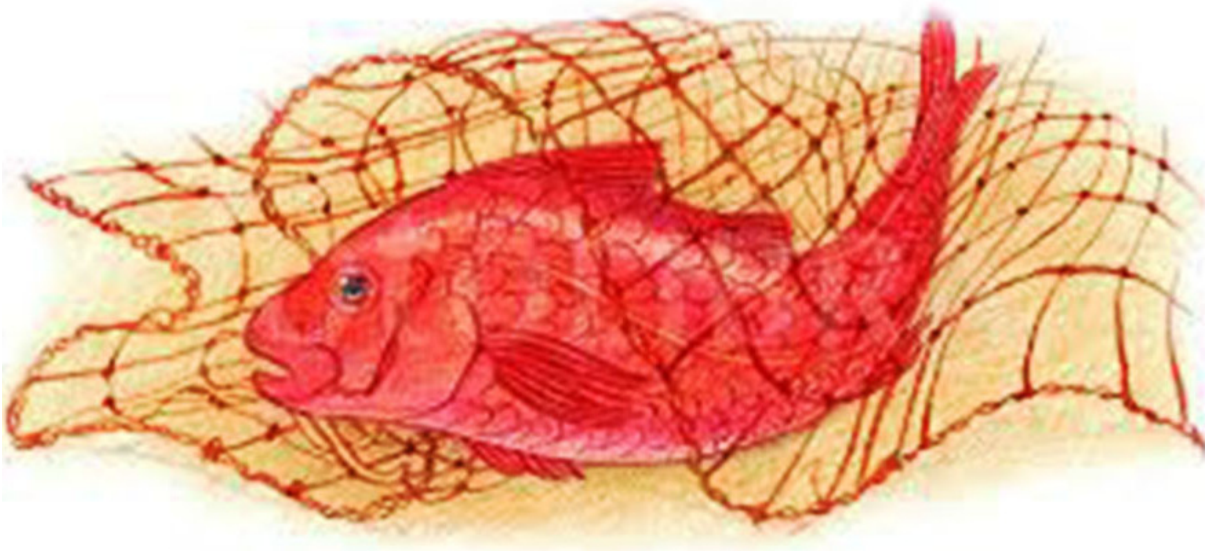

34GRG4